Title: Need to enhance MPs Local Area Development Fund from Rs.1 crore to Rs.2 crore.

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : सभापति महोदय, मैम्बर ऑफ पार्लियामेंट लोकल एरिया डेवलपमैंट फंड में हम लोगों को एक करोड़ रूपया लगातार मिल रहा है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने यहां घोषणा की थी कि इस साल से उसे बढ़ाकर दो करोड़ कर दिया जायेगा।

सभापति महोदय : फातमी जी, आप बैठिये, मैंने श्री सुदीप बंधोपाध्याय को बुलाया है।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : सर, यह सारे सांसदों का मामला है। सरकार ने वायदा किया है सदन के बाहर पब्लिक हमें पकड़कर पूछ रही है कि दो करोड़ रूपये कहां गये। अपने एरिया के डेवलपमैंट के लिए अवाम हमें खोज रही है। कांस्टीटुएंसी में हम लोगों की पिटाई हो रही है। यदि आप हमारी बात नहीं सुनेंगे तो कौन सुनेगा। आज मंत्री जी यहां मौजूद हैं। यह किसी एक सदस्य या पार्टी का मामला नहीं है, यह सदन के सारे सांसदों का मामला है। श्री राम नाइक जी, मंत्री हैं, मुझे अच्छी तरह से याद है कि यह इन्हीं की लीडरशिप में हुआ है। श्री राम नाइक जी, आज जब आप मंत्री हो गये तो इतने कमजोर कैसे हो गये। जब आप अ पोजीशन में थे तब तो आपने एक करोड़ करवा लिया था। आज आप सरकार में है और आपने अनाउंस भी किया है, इसलिए इसकी जिम्मेदारी आपकी बनती है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने यहां कहा है कि इस साल से इसको बढ़ाकर दो करोड़ रूपये कर दिया जायेगा। फिर क्या बात है, यह एक करोड़ से दो करोड़ क्यों नहीं हो पा रहा है? आज हम लोग इलाके में जाते हैं तो लोग हमसे सवाल करते हैं कि पैसा कहां गया? अगर नहीं करना है तो यहां अनाउंसमैंट कर दीजिए कि हम इसे दो करोड़ नहीं कर रहे हैं, वरना यहां बताने का काम कीजिए कि आप इसे दो करोड़ कब कर रहे हैं।

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : सभापति जी, यह सारे सांसदों का प्रश्न है और अखबार में इसके बारे में छप जाने से सभी जगहों पर कार्यक्रम बन गये हैं। लोग हमसे पूछ रहे हैं। माननीय मंत्री जी यहां बैठे हैं, वे इस बारे में कुछ तो बतायें। पिछले सत्र में माननीय प्रधान मंत्री जी ने सदन में ऐलान किया था कि हम इस पर गंभीरता से विचार करेंगे। यह बात प्रधान मंत्री जी ने जुलाई में कही थी और आज इतने महीने बीत जाने के बाद भी प्रधान मंत्री जी की गंभीरता से विचार करने वाली बात का क्या हुआ?

श्री अजीत जोगी : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी यहां बैठे हैं, कृपया वे सदन को सूचित करें कि इस बारे में क्या स्थिति है। आप इस बारे में कई बार बोल चुके हैं। मैं माननीय मंत्री जी से अनुरोध कर रहा हूं कि कृपया इस बारे में रीएक्ट करें।

श्री प्रभुनाथ सिंह : सर, मंत्री जी कुछ बोलना चाहते हैं।

श्री अजीत जोगी : सर, आप मंत्री जी को बोलने के लिए कहें।

सभापति महोदय : हम मंत्री जी को डायरेक्ट नहीं कर सकते हैं। यदि वह बोलना चाहते हैं तो बोल सकते हैं।

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री, संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा योजना और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम नाईक): सभापति जी, यह ि वषय माननीय सदस्य बार-बार उठा रहे हैं और स्वाभाविक है यह एक चिंता का विषय है, हर एक को लगता है कि यह जल्दी होना चाहिए। जब लोक सभा अध्यक्ष के साथ सभी पार्टियों के नेताओं की बैठक हुई थी तब उसमें इस पर विचार हुआ था। उसके बाद राज्य सभा के अध्यक्ष के साथ सभी पार्टियों के नेताओं की बैठक में भी इस पर चर्चा हुई और सामान्यतः दोनों मीटिंग्स में यह तय हुआ कि एक करोड़ रूपये को बढ़ाकर दो करोड़ कर दिया जाए तो अच्छा रहेगा इस प्रकार की सिफारिश भेजी गई है।

सभापति महोदय, इसके साथ ही साथ यह भी कहा गया है कि जो इंटरेस्ट (ब्याज) है उसका उपयोग कैसे करें क्योंकि उसके बारे में अब तक कोई स्पष्ट गाइड लाइन नहीं हैं। इस प्रकार से ऐसे दो विषयों पर चर्चा हुई है। इसमें से मोटे तौर पर इस प्रकार का विचार बन गया है कि धनराशि पर जो ब्याज बनेगा उसका उ पयोग गाइड लाइन के अनुसार विकास कार्यों के लिए करना चाहिए, ऐसी एक सहमति दोनों तरफ हुई है और ऐसी सहमति होने के बाद यह मामला एक नोट के रूप में प्रधान मंत्री जी के पास भेजा गया है। मैंने गत सप्ताह भी कहा था

that it is under active consideration of the hon. Prime Minister.

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : सभापति महोदय, मात्र तीन महीने बचे हैं।

श्री राम नाईकः जो स्थिति है वह मैं बता रहा हूं।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : मंत्री जी, कुछ दिनों बाद तो हम दूसरी सदी में चले जाएंगे।

सभापति महोदय : फातमी जी, बैठिए। कृपया मंत्री जी को बोलने दीजिए।

SHRI RAM NAIK: It is under active consideration of the Government and the decision will be taken as early as possible... (Interruptions)
SHRI E. AHAMED (MANJERI): Even the amount already allotted has not been sent to the respective district collector. They have not received whatever amount you have allotted... (Interruptions)

श्री राम नाईकः इस समय मैं यहां सभी सदस्यों के समक्ष यह बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं

... (व्यवधान)

श्री मोतीलाल वोरा : मंत्री महोदय, दूसरी किस्त अभी तक जारी नहीं हुई है। ... (व्यवधान)

13.27 hrs. (Shri Raghuvansh Prasad Singh in the Chair)

श्री राम नाईकः मैं १९९८-९९ के बारे में आपको बता दूं कि यदि कोई ऐसे सदस्य हों जिन्होंने पहले के अमाउंट के संबंध में प्रोजैक्ट दे दिए हैं और सैंक्शन हो गए हैं या अनसैंक्शन्ड प्रोजैक्ट भी हों, लेकिन उनकी धनराशि ५० लाख से नीचे आ गई है, तो उन्हें दूसरी किस्त देने की व्यवस्था की है, लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं कि कुछ ऐसे स्थान हैं जहां के कलैक्टर या डिसट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट, इस प्रकार का सर्टिफिकेट नहीं भेज रहे हैं।

... (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : हां, आप बिलकुल ठीक कह रहे हैं। महाराजगंज के कलैक्टर यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट नहीं भेज रहे हैं।

... (व्यवधान)

श्री राम नाईकः सभापति महोदय, मैं फिर सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना करूंगा कि वे अपने क्षेत्र के कलैक्टरों से इस प्रकार के सर्टिफिकेट भिजवाएं कि धनराशि ५० लाख रुपए से नीचे आ गई है या सर्टिफिकेट लाने की कृपा करें। मैं उनको विश्वास दिलाता हूं कि ऐसा सर्टिफिकेट आने के ८-१० दिन के अंदर जो आपकी दूसरी किस्त है वह भेज दी जाएगी।